ShaneNabi.In
Best Sunni Islamic Website
(बेस्ट सुन्नी इस्लामिक वेबसाईट)

आँखे भीगो के दिलको हिला कर चले गए

(हिन्दी नात लीरिक्स)

लिखा है (लेखक): सज्जाद निज़ामी

सोशल नेटवरकस पर हमें फ़ॉलो करें:

https://youtube.com/@shanenabi
https://www.facebook.com/shanenabi.in
https://www.instagram.com/shanenabi.in
https://twitter.com/ShaneNabi_In

अधिक लीरिक्स और इस्लामी सामग्री के लिए कृपया हमारी वेबसाईट https://shanenabi.in पर जाये
यह लीरिक्स https://shanenabi.in से डाउनलोड/प्रिंट किया गया है
सहायता/अनुरोध के लिए support@shanenabi.in पर हमसे संपर्क करें

आँखे भीगो के दिलको हिला कर चले गए,
ऐसे गए के सबको रुला कर चले गए
आँखे भीगो के सबको रुला कर चले गए,
ऐसे गए के सबको रुला कर चले गए

इफ्ता की शान इल्मो हुनर का वकार थे,
सदा मिजाज़ ज़िंदा दिली की बहार थे
महफ़िल हर एक सुनी बना कर चले गए,
ऐसे गए के सबको रुला कर चले गए

उमर-ए-तमाम दीन की खिदमत में काट दी,
अपने कलम से कुफ्र की तारीख छाठ दी
हुक्म-ए-शरीयत हमको बता कर चले गए,
ऐसे गए के सबको रुला कर चले गए

दीन-ए-नबी की खिदमते मकबूल हो गई,
सीनों में उनकी उल्फते महफूज हो गई
दीवाना अपना सबको बना कर चले गए,
ऐसे गए के सबको रुला कर चले गए

एलान सेहरी जिसने बहेड़ी को दे दिया,
और फिर जुलूस-ए-बारहवी भी अता किया
तहरीक कैसी कैसी चला कर चले गए,
ऐसे गए के सबको रुला कर चले गए

सुल्तान अशरफ इस्म भी साया निशाँन था,
हर एक लेहाज़े से जो बहेड़ी की जान थी
कैसा पहाड़ गम का गिरा कर चले गए,
ऐसे गए के सबको रुला कर चले गए

अधिक लीरिक्स और इस्लामी सामग्री के लिए कृपया हमारी वेबसाईट https://shanenabi.in पर जाये
यह लीरिक्स https://shanenabi.in से डाउनलोड/प्रिंट किया गया है
सहायता/अनुरोध के लिए support@shanenabi.in पर हमसे संपर्क करें